चिकनगुनिया

कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र
संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा
भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243122 (उ०प्र०)

चिकनगुनिया मच्छरों द्वारा फैलने वाला एक विषाणु जनित रोग है जिसमें जोड़ों में तेज दर्द, मांसपेशी में दर्द, सिर दर्द तथा शरीर पर चकत्ते हो जाते हैं। बीमारी से प्राय: मृत्यु नहीं होती है।

परिसंचरण चक्र

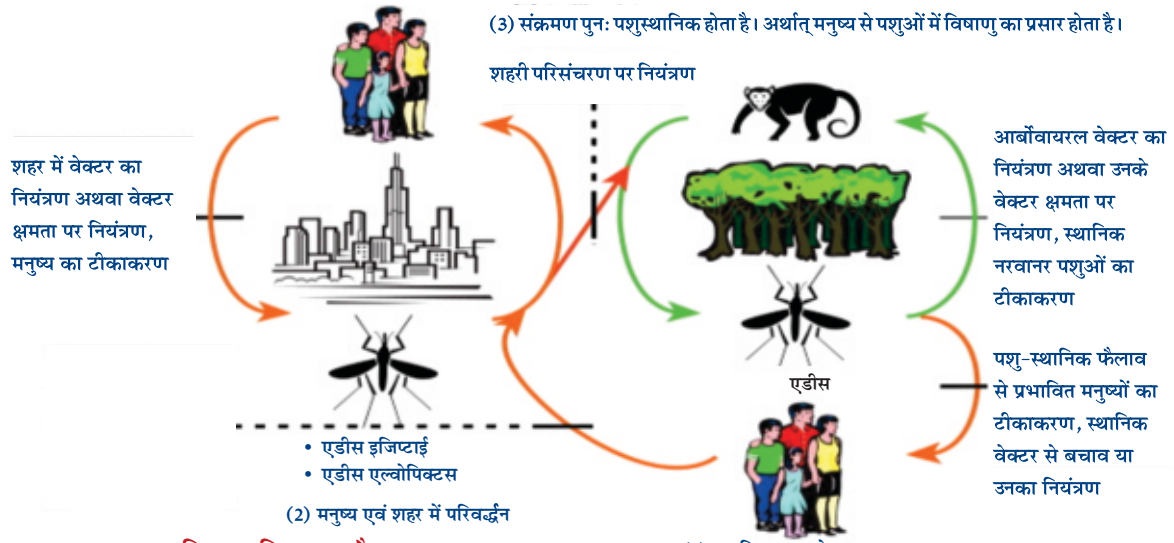

चिकनगुनिया का फैलाव

चकत्ते

जोड़ों में सूजन

संधिशोथ

लक्षण

- लगभग 72–97% संक्रमित मनुष्य में लक्षण मिलते हैं
- प्रारम्भिक लक्षण अचानक तेज ज्वर ≥ 39° सें०ग्रे० (≥102.2°फा०)
- बहुसंधिशोथ
  - प्राय: अति कष्टदायक
  - एक से अधिक जोड़ प्रभावित
  - विशेष कर हाथ एवं पैर प्रभावित
- अन्य लक्षण
  - सिर दर्द, मांसपेशी की शिथिलता
  - संधिशोथ, नेत्र श्लेष्मा का शोथ
  - मिचली, उल्टी, चकत्ते

बचाव एवं नियंत्रण

- मच्छरों से बचें
- संक्रमित मनुष्य को संक्रमण के पहले सप्ताह में मच्छरों से बचाव का विशेष प्रयास करें
- वातावरण को स्वच्छ रखें
- पानी को हमेशा ढ़क कर रखें
- खुले स्थानों में पानी इकट्ठा न होने दें
- मच्छरदानी का प्रयोग करें
- सामान्य जन में जागरूकता लाने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा अभियान चलायें।

संरक्षण : **डॉ. त्रिवेणी दत्त**, निदेशक एवं कुलपति (कार्यकारी), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
मार्गदर्शन : **डॉ. हरेन्द्र कुमार**, संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) एवं **डॉ. महेश चन्द्र**, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा विभाग), भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
लेखक : **डॉ. हिमानी धान्जे**, वैज्ञानिक **डॉ. एम०सुमन कुमार**, वैज्ञानिक, **डॉ. डी०के० सिंह**, प्रधान वैज्ञानिक, पशुजन स्वास्थ्य विभाग एवं **डॉ. अभिषेक**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जीवाणु एवं कवक विज्ञान विभाग
संपादन : **डॉ. रूपसी तिवारी**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)
अधिक जानकारी हेतु संपर्क: आई.वी.आर.आई. हेल्पलाइन, 0581-2311111, किसान कॉलसेन्टर: 1800-180-1551, आई०वी०आर०आई० वेबसाइट: www.ivri.nic.in
प्रकाशन का वर्ष: 2021